षॊडशी चिंतने

०१ बंधक प्रकरण

नन्न ऒळगू होरगू सकलजीव राशिगळल्लू सूक्ष्मवागि जीवरिगे अश्रयवागिरुव बिंबरूपि हरिगे नमॊनमः

बिंबरूपिय दर्शनक्के प्रतिबंधकगळन्नु निवारणे माडुव अनंत नारायणादि रूपगळिगे नमॊनमः

नन्न स्वरूपदॆहद जोतेगे हालु नीरु बेरेतंते बेरेतिरुव, लिंगदॆहद आकारदल्लिरुव, हदिनारु कलेगळिगेआधारवागिरुव, आया हेसरिनिंदिरुव (पंचज्ञानॆंद्रिय, पंच कर्मॆंद्रिय, पंचभूत हागू मनस्सु) भगवद्रूपगळिगे नमॊनमः

नीनु दययिट्टु तिरॊमुखनादरे नन्न अज्ञानवन्नॆ बीजवागिट्टुकॊंडु अभिमानगळन्नु हुट्टिसिद आ मूल अज्ञानदल्लिरुव भगवद्रूप
क्के नमॊनमः

०१. नन्नल्लिरुव कतृत्वद विषयद अज्ञानदिंद हुट्टिरुव, नानॆ कर्ता एंब, स्वतंत्र कतृत्वाभिमनदल्लिरुव भगवद्रूपक्के नमॊनमः. दयविट्टु तिरॊमुखनागि ई अभिमानवन्नु तेगेदुबिडु.

०२.नन्नल्लिरुव भॊकृत्व विषयद अज्ञानदंद हुट्टिद, नानॆ भॊक्तनेंब , स्वतंत्रवागि फलवन्नु भॊगिसुव अभिमानदल्लिरुव भगवद्रूपक्के नमॊनमः. दयविट्टु तिरॊमुखनागि ई अभिमानवन्नु तेगेदुबिडु.

०३. नन्नल्लिरुव इंद्रियगळ विषयद अज्ञानदिंद, नानॆ इंद्रियगळिगे यजमाननेंब अभिमानदल्लिरुव भगवद्रूपक्के नमॊनमः. दयविट्टु नीनु तिरॊमुखनागि नन्नल्लि प्रकटमाडिद ई अभिमानवन्नु दूरगॊळिसु.

०४. नन्नल्लिरुव फल प्राप्ति कुरिताद अज्ञानदिंद, फलवू नन्नदे एंब फलद मेलिन यजमाननेंब, अभिमानदल्लिरुव भगवद्रूपक्के नमोनमः. दययिट्टु तिरोमुखनागि नन्नल्लिरुव ई अभिमानवन्नु दूरगोळिसु.
०५ श्रीहरिभक्ति, श्रीहरिप्रसादगळे पुरुषार्थवेंब ज्ञानविल्लदद्दरिंद दुःखक्के समानवाद प्राकृत सुखवे पुरुषार्थवेंब अभिमानदल्लिरुव भगवद्रूपक्के नमोनमः. दययिट्टु नीनु तिरोमुखनागि ई अभिमानवन्नु दूरगोळिसु.
०६. प्राकृत सुखसाधनवे पुरुषार्थवाधनवेंब अभिमानदल्लिरुव भगवद्रूपक्के नमोनमः. दयविट्टु तिरोमुखनागि ई अभिमान दूरगोळिसु.
०७. प्राकृत दुःखदमेले, पुरुषार्थ अल्ल अथवा हितकारि अल्लवेंब द्वेष, हागे दुःख साधनदल्लि हितकारि अल्ल वेंब द्वेष. ई एरेडरल्लू इरुव भगवद्रूपक्के नमोनमः. नीनु तिरोमुखनागि ई द्वेषगळन्नु दूरगोळिसु.
तत्वाभिमानिगळ मूलक, निन्न रूपगळन्निट्टु, नीने नन्निंद अभिमान राग द्वेषादिगळ मूलक, ज्ञान संपादने माडुवुदु, अदक्के तक्क कर्मानुष्ठान माडुवुदु, नन्निंद माडिसि ई मूलक नन्नन्नु कट्टि हाकुत्ता इद्दीया, दयविट्टु ई बंधनगळन्नु तोलगिसु. तत्वाभिमानि देवतेगळ अंतर्यामियाद मुख्यप्राणपति बिंबरूपि श्रीहरिये नीने गति.

॥श्रीकृष्णार्पणमस्तु॥

----

०२. बंधकनिवृत्ति प्रकरण

०१. श्रीहरियॆ मुख्य कर्तृवागिद्दाने. आतनन्नु अनुसरिसि ब्रह्मादि पुष्करांत तत्व दॆवतॆगळु नन्नल्लि कर्तृगळागिद्दारॆ. नानु अस्वतंत्रनाद परधीन कर्तृ ऎंब ई प्रधान ज्ञानदल्लि प्रकटवागुव भगवद्रूपक्के नमॊनमः. नीनु दयविट्टु ई ज्ञानवन्नु कॊट्टु नानॆ स्वतंत्रकर्तृवॆंब अज्ञानद मूलक बंद अभिमानवन्नु निवारिसु.
०२. श्रीहरियॆ प्रधानवागि ऎल्ला कर्मफलदल्लिरुव तन्न रूपगळन्नु भॊजन माडुवव, ब्रह्मादि सकल दॆवतॆगळु अवनिंदागि कर्मफलगळन्नु उण्णुत्तारॆ. नानु इवर अनुग्रहदिंद नन्न कर्मफलवन्नु भॊजन माडुत्तॆनॆ. स्वतंत्र भॊक्तृवल्ल ऎंब ई ज्ञानदल्लिरुव भगवद्रूपक्के नमॊनमः. हॆ स्वामि! नीनु ई ज्ञानवन्नु ननगॆ कॊडुव ई रूपवन्नु प्रकटमाडु, ई ज्ञानवन्नु कॊट्टु नानॆ स्वतंत्रनागि फलवन्नु उणबल्लॆनॆंब, अभिमानवन्नु दूरगॊळिसु, निनगॆ नमॊनमः.
०३ इंद्रियगळिगॆ मुख्य स्वामियु श्रीहरियॆ, आतनप्पणॆयिंद ब्रह्मादिदॆवतॆगळु नन्न इंद्रियगळिगॆ नियामकरु, नानु अवर अनुग्रहदिंद इंद्रियगळव्यापार पडॆयुवव ऎंब, ई ज्ञानवन्नु प्रटमाडुव निन्न रूपवन्नु प्रकटगॊळिसु नन्नॊळगिरुव इंद्रियगळ मॆलिन अभिमानगळन्नु बॆग दूरगॊळिसु. निन्न ई रूपक्के नमस्कारगळु.
०४. फलक्कू ब्रह्मादिगळ मूलक नीनॆ मुख्यस्वामियागि ननगॆ फलवन्नु कॊडुत्तिद्दीया ऎंब ई सुज्ञानदॊळगिरुव निन्न रूपक्के नमॊनमः. ई ज्ञानवन्नु प्रकटगॊळिसुव निन्न रूपवन्नु प्रकटगॊळिसि नन्न फलद स्वातंत्र अभिमानवन्नु दूरगॊळिसु निनगॆ अनंत नमस्कारगळु.
०५ श्रीहरि भक्ति प्रसादगळॆ परम पुरुषार्थ ऎंब ज्ञान, अदर साधनगळॆ प्रुषार्थ साधनॆगळु, ऎंब ज्ञान ननगॆ प्रकटमाडुव निन्न रूपवन्नु सम्मुखमाडि ननगॆ

प्रकृत सुखवे, अदर साधनगळे पुरुषार्थ साधनगळु एंब रागवन्नु बिडिसु. नीनल्लदे मत्यारू गतियिल्ल, ई निन्न रूपक्के नमस्कारगळु.
०६प्राकृत दुःख पुरुषार्थवल्ल अदर साधनगळू पुरुषार्थ साधनवल्ल एंब दुःखद मेलिन द्वेषवन्नु दूर मादुव निन्न रूपवन्नु प्रकटगोळिसि ई द्वेषवन्नु निवारणमाडुव निन्न रूपक्के अनंत नमस्कारगळु.
ई रीतियागि निन्न कर्तृत्व मोदलाद मेलिन अनुसंधानगळन्नु कोट्टु, नानु सदा निन्न अधीननेंब तिळुवळिके अनुभवदल्लि कार्य नडेयुवाग नीने कोट्टु सदा नम्मन्नु रक्षिसु, बंधकनू नीने मोचकनू नीने एंब ई प्रधान मंत्र नन्न मनदल्लि सतत जपिसुवंतागलि. तत्वाभिमानिगळु एन्नोळगे इद्दे ज़ानवन्नु सदा पालिसुवंते दयमाडु हरिये.
॥श्री कृष्णार्पणमस्तु॥

----

०३. बिंब प्रतिबिंब भाव प्रकरण

मनस्सु श्रीहरिय पादकमलगळल्ले सदा आदरदिंद इरुवुदे परम मुख्य साधन. ई रीतिय देवर नेनपु बरलिक्केने स्नान संध्यादि इतर साधनगळु. ई साधनगळन्नेल्ला हृदय गुहेयल्लि वास माडिकोंडिरुव श्रीहरिये माडिमाडिसुत्ताने.
०१. बेळिग्गे एद्दागिनिंद रात्रि मलगुववरेगू नन्निंद नडेयुव सकल मनो,वाक्, काय साधनगळु ऐनागुत्तवे आया साधनगळल्लि आया साधनगळ हेसरुगळिंद निंतिरुव तत्वाभिमानि देवतांतर्गत भारतीरमण मुख्यप्राणांतर्गत

नन्न बिंब मूर्तिगे अनंत नमस्कारगळु. स्थूल शरीरदोळगे प्रकशतः(प्रकाशदिंद) व्याप्तनाद नन्नोळगे मुखदल्लि मुख, कैयल्लि कै, कल्लल्लि कालु ई क्रमदिंद सर्वत्र व्याप्तनागे निंतिरुव पुष्करनिगे, अवरोळगिरुव तत्वाभिमानि दॆवतांतर्गत मुख्यप्राणांतर्गत पुष्कर बिंबाभिन्न नन्न बिंबक्के नमॊनमः.

प्रार्थनेः नन्न सकल कर्मगळन्नु भगवत्पूजे ऎंब अनुसंधानदिंद माडुवहागे नीवु ननगे दॆवर नेनपन्नु कोट्टु दयेयिट्टु माडिसि.ननगे नीवॆ गति, नीवल्लदे बॆरे गति इल्ल.

०२. पुष्करनोलगे निंत शनैश्चरांतर्गत तत्वाभिमानि दॆवतांतर्गत भारतीरमण मुख्यप्राणांतर्गत शनैश्चर नामक शनैश्चर बिंबाभिन्न नन्न बिंब मूर्तिगे नमॊनमः.

प्रार्थनेः नन्न सकल कर्मगळन्नु भगवत्पूजे ऎंब अनुसंधानदिंद माडुव हागे नीवु नन्नगे दॆवर नेनपन्नु कोट्टु दयेयिट्टु माडिसि, ननगे नीवॆ गति, नीवल्लदे बॆरे गतियिल्ल.

०३. शनैश्चरनोळगिरुव उषादॆवि अंतर्गत तत्वाभिमानि दॆवतांतर्गत भारतीरमण मुख्यप्राणांतर्गत उषानामक (ऎंब हेसरिनिंदिरुव) उषा बिंबाभिन्न मद्बिंब मूर्तिगे नमॊनमः.

प्रार्थनेः

०४. उषादॆवियोळगिरुव बुध अंतर्गत तत्वाभिमानिगळंतर्गत भारतीरमण मुख्यप्राणांतर्गत बुधनामक बुध बिंबाभिन्न नन्न बिंब मूर्तिगे नमॊनमः.

प्रार्थनेः

०५. बुधनोळगे निंतिरुव स्वाहादॆवि अंतर्गत तत्वाभिमानिगळंतर्गा भारतीरमण मुख्यप्राणांतर्गत स्वाहानामक स्वाहादॆविय बिंबाभिन्न मद्बिंबमूर्तिगे नमॊनमः.

प्रार्थने:

०६.स्वाहादेवियोळगे निंतिरुव पर्जन्यनामक देवन ओळगिरुव तत्वाभिमानिगळंतर्गत भा.मु. पर्जन्यनामक बिंबाभिन्न नन्न बिंबमूर्तिगे नमोनमः.

प्रार्थने:

०७.पर्जन्यांतर्गत विघ्नेश,अश्विनि देवतेगळु कुबेररु अवरंतर्गत तत्वेश देवतंतर्गत भा.मु. विघ्नेशनामक ,अश्विनिनामक ,कुबेरनामक अवरवर बिंबमूर्तिगळ अभिन्ननाद नन्न बिंबमूर्तिगे नमोनमः.

प्रार्थने:

०८.विघ्नेश,कुबेर,अश्विनि अवरोळगिरुव मित्र, निऋति अवरंतर्गत तत्वाभिमानिगळंतर्गत भ.मु. मित्रनामक,निऋति नामक अवरवर बिंबाभिन्न नन्न बिंब मूर्तिगे नमोनमः

प्रार्थने:

०९. मित्र,निऋति अवरंतर्गत अग्नि अंतर्गत तत्वेश देवतांतर्गत भा.मु. अग्निनामक अग्निदेवर बिंबाभिन्न नन्न बिंब मूर्तिगे नमोनमः

प्रर्थने:

१०. अग्नियोळगे निंतिरुव वरुणदेवर अंतर्गत तत्वाभिमनि देवतांतर्गत भा.मु. वरुणनामक वरुणदेवर बिंबाभिन्न मद्बिंब मूर्तिगे नमोनमः.

प्रार्थने:

११. वरुणादेवरवोळगिरुव चंद्र,सूर्य,यमधर्म,शतरूपादेवियरु अवरोळगिरुव तत्वाभिमानि देवतांतर्गत भा.मु. चंद्रनामक, सूर्यनामक, यमधर्मनामक, शतरूपानामक अवरवर बिंबाभिन्न नन्न बिंबमूर्तिगे नमोनमः.

प्रार्थने:

१२. चंद्र,सूर्य,यमधर्म,शतरूपादेवियरोळगे निंतिरुव प्रवहनामक देवतांतर्गत तत्वेश देवतांतर्गत भा.मु. प्रवहनामक प्रवहदेवर बिंबाभिन्न नन्न बिंबमूर्तिगे नमोनमः.

प्रार्थने:

१३. प्रवहनामक देवरोळगिरुव स्वायंभुवमनु,बृहस्पति,दक्ष,रति,शचि,अनिरुद्ध अवरवर ओळगिरुव तत्वाभिमानि देवतांतर्गत भा.मु.अनिरुद्धनामक,स्वायंभूनामक,बृहस्पतिनामक.दक्षनामक,रतिनामक,शचि नामक अवरवर बिंबाभिन्न नन्न बिंबक्के नमोनमः.

प्रार्थने:

१४.स्वायंभूमनु,बृहस्पति,दक्ष,रति,शचि,अनिरुद्धरोळगिरुव अहंकारिक प्राणांतर्गत तत्वाभिमानिदेवतांतर्गत भा.मु. अहंकारिक प्राणनामक अहंकारिक प्राणाभिन्न नन्न बिंबमूर्तिगे नमोनमः.

प्रार्थने:

१५. अहंकारिक प्राणदेवरोळगिरुव इंद्र,कामांतर्गत तत्वाभिमानिदेवतांतर्गत भा.मु. इंद्र,कामनामक इंद्र,कामाभिन्न नन्न बिंबमूर्तिगे नमोनमः.

प्रार्थने:

१६. इंद्र,कामरोळगिरुव सौपर्णि,वारुणि,गिरिजांतर्गत तत्वाभिमानि देवतांतर्गत भा.मु. सौपर्णिनामक, वारुणिनामक,गिरुजानामक सौपर्णि,वारुणि,गिरिजा बिंबाभिन्न नन्न बिंबमूर्तिगे नमोनमः.

प्रार्थने:

१७. सौपर्णि,वारुणि,गिरिजरोळगिरुव गरुड,शेष,रुद्रांतर्गत तत्वाभिमानि देवतांतर्गत ब्रह्म,वायु,सरस्वति,भारतियरंतर्गत गरुड,शेष,रुद्रनामक अवरवर बिंबाभिन्न नन्न बिंबमूर्तिगे नमोनमः

प्रार्थने:

१८.गरुड,शेष,रुद्ररोळगिरुव सरस्वति,भारति अंतर्गत तत्वाभिमानि देवतांतर्गत ब्रह्म,वायुगळंतर्गत सरस्वति,भारतिनामक अवरवर बिंबाभिन्न नन्न बिंब मूर्तिगे नमोनमः.

प्रार्थने:

१९. सरस्वति,भारतियरोळगिरुव ब्रह्म ,वायुगळंतर्गत महालक्ष्मीदेवि अंतर्गत ब्रह्म वायु एंदु हेसरिट्टुकोंड अवरवर बिंबाभिन्न नन्न बिंबमूर्तिगे नमोनमः.

प्रार्थने:

२०.ब्रह्म,वायुगळोळगे निंतिरुव महालक्श्मीयोळगे निंतिरुव लक्ष्मीदेवि एंब हेसरिनिंदिरुव नन्न बिंबाभिन्न सकलरोडेय मद्बिंबमूर्तिगे नमो नमः.

प्रार्थने:

२१ महालक्ष्मी मोदलुगोंडु पुष्करन पर्यंत भगवंत ई रीतियागि द्रव्यबिंब प्रतिबिंब भावदिंद तोरुत्तिद्दाने. अंतह नन्न बिंबमूर्तिगे नमोनमः.

०४.बिंब संस्थापन प्रकरण

नम्म हृदयाकाशदल्लि हागू शरीरद सुत्तलु कणकणदल्लू अनंतरूपगळिंद व्यापिसिरुव बिंबमूर्तिगे नमोनमः नवनारीकुंजरदंते अनेक रूपात्मक अवयवगळिंद कूडिद निन्न प्रतियोंदु रूपक्कू अनंत नमस्कारगळु.

०१.अनेक नारायण रूपगळिंद कूडिद बिंबमूर्तिय शिरस्सिगे नमोनमः

०२. अनेक प्रद्युम्न रूपगळिंद कूडिद अनेक केशव रूपगळिंद होळेयुत्तिरुव बिंब मूर्तिगे नमोनमः

०३.अनेक नारायण रूपगळिंद कूडिद बिंब मूर्तिय हुब्बुगळिगे, हुब्बुगळ मध्य प्रदेशक्के नमोनमः

०४.अनेक प्रद्युम्न रूपगळिंद होंदिरुव बिंबन बलगण्णिन इंद्रियक्के नमोनमः

०५.अनेक अनिरुद्धरूपगळिंद होंदिरुव बिंबन एडगण्णिन इंद्रियक्के नमोनमः

०६.अनेक कपिलरूपगळिंद तयाराद बिंबमूर्तिय एरडु कण्णिन गोळकगळिगे नमोनमः

०७.अनेक रामरूपगळिंद तयाराद बिंबन एरडु कण्णिनल्लिरुव बिळी भागक्के नमोनमः

०८.अनेक कृष्णरूपगळिंद ऐर्पट्ट बिंबन एरडु कण्णुगळ कप्पुभागक्के नमोनमः

०९.अनेक सूक्ष्म कपिलरूपगळिंद तयाराद बिंबन एरडु कण्णुगळल्लिरुव कनीनिक एंदु करेसिकोंड चुक्केप्रांतक्के नमोनमः

१०.अनेक वासुदेवरूपगळिंद तोरुव बिंबन श्रोत्रेंद्रियक्के नमोनमः

११.अनेक अनिरुद्धरूपगळिंद तोरुव बिंबन एरडु श्रोत्रेंद्रिय गोलकक्के नमोनमः

१२.अनेक संकर्षणरूपगळिंद तोरुव बिंबन एरडु कपोलगळिगे नमोनमः

१३.अनेक प्रद्युम्नरूपगळिंद तोरुव बिंबन घ्राणेंद्रियक्के नमोनमः
१४.अनेक नृसिंहरूपगळिंद शोभिसुव बिंबन घ्राणेंद्रियद गोलकवाद मूगिगे नमोनमः
१५.अनेक वासुदेवरूपगळिंद शोभिसुव बिंबन मेल्तुटिगे नमोनमः
१६.अनेक संकर्षणरूपगळिंद शोभिसुव बिंबन केळतुटिगे नमोनमः
१७.अनेक प्रद्युम्न रूपगळिंद तयाराद मेलिन हागू केळगिन एरडु दंत पंक्तिगळिगे नमोनमः
१८.अनेक संकर्षणरूपगळिंदलेने शोभिसुव बिंबन रसनेंद्रियद गोलकवाद जिह्वामूलक्के नमोनमः
१९.अनेक संकर्षणरूपगळिंद शोभिसुव बिंबन रसनेंद्रियक्के नमोनमः
२०. अनेक वासुदेव रूपगळिंद ऐर्पट्ट बिंबन वागिंद्रियक्के नमोनमः
२१.अनेक परशुरामरूपगळिंद शोभिसुव बिंबन वागिंद्रियद गोलकवाद मुखक्के नमोनमः
२२.अनेक वासुदेवनिंद उद्भूतवाद गोविंद रूपगळिंद शंखदंते होळेयुव बिंबन कंठप्रदेशक्के नमोनमः
२३.अनेक वराहरूपगळिंद तुंबिरुव त्रिविक्रमरूपगळिंद शोभिसुव बिंबन बलहेगलिगे नमोनमः
२४.अनेक नारायणरूपगळिंद तुंबिरुव हृषिकेशरूपगळिंद कूडिद बिंबन एडहेगलिगे नमोनमः
२५.अनेक दामोदररूपगळिंद कूडिद बिंबन ककुत्तिगे(बेन्नु कुत्तिगे सेरुव प्रांतक्के ककुत्तु एंदु हेसरु) नमोनमः

२६.अनेक नारायणरूपगळिंद कूडिद पद्मनाभरूपगळिंद ऐर्पट्ट बिंबन बेन्निगे नमोनमः
२७.अनेक वासुदेवरूपगळिंद तयाराद बिंबन बलमेलुकैय हस्तेंद्रियक्के नमोनमः
२८.अनेक संकर्षणरूपगळिंद तयाराद बिंबन एडमेलुकैय हस्तेंद्रियक्के नमोनमः
२९.अनेक प्रद्युम्नरूपगळिंद तयाराद बिंबन एडकेळ हस्तेंद्रियक्के नमोनमः
३०.अनेक अनिरुद्ध रूपगळिंद तोरुव बिंबन बलकेळ हस्तेंद्रियक्के नमोनमः
३१.अनेक वासुदेवरूपगळिंद तोरुव बिंबन बल ऊर्ध्वहस्तेंद्रियद गोळकक्के नमोनमः
३२.अनेक संकर्षणरूपगळिंद तयराद बिंबन एड मेलु हस्तेंद्रियद गोळकक्के नमोनमः (हस्तक्के)
३३.अनेक प्रद्युम्नरूपगळिंद तयाराद बिंबन एड केळ हस्तक्के नमोनमः
३४.अनेक अनिरुद्धरूपगळिंद तयाराद बिंबन बल केळ हस्तक्के नमोनमः
३५.अनेक वासुदेवरूपगळिंद शोभिसुव बिंबन नाल्कुहस्तगळल्लि शोभिसुव ध्वजवेंब (लांछन) चिन्हेगे नमोनमः
३६.अनेक संकर्षणरूपगळिंद तोरुव बिंबन नाल्कु कैगळल्लिरुव वज्र लांछनक्के नमोनमः
३७.अनेक प्रद्युम्न रूपगळिंद ऐर्पट्ट बिंबन नाल्कु हस्तगळल्लिरुव बिंबन अंकुश चिन्हेगे नमोनमः
३८.अनेक अनिरुद्धरूपगळिंद ऐर्पट्ट बिंबन नाल्कु हस्तगळल्लि शोभिसुव पद्म चिन्हेगे नमोनमः

३९.अनेक नारायणरूपगळिंद कूडिरुव नाल्कु हस्तगळ हेब्बेरळुगळिगे मत्तु नखगळिगे नमोनमः
४०.अनेक वासुदेवरूपगळिंद ऐर्पट्ट बिंबन नाल्कु हस्तगळल्लिरुव तोरुबेरळुगळिगे मत्तु नखगळिगे नमोनमः
४१.अनेक संकर्षणरूपगळिंद कूडिरुव बिंबन नाल्कु हस्तगळल्लिरुव मध्यबेरळुगळिगे मत्तु नखगळिगे नमोनमः
४२.अनेक प्रद्युम्न रूपगळिंद शोभिसुव बिंबन नाल्कु हस्तगळ अनामिक बेरळुगळिगे हागू नखगळिगू नमोनमः
४३.अनेक अनिरुद्ध रूपगळिंद होळेयुव बिंबन नाल्कु हस्तगळल्लिरुव कनिष्ठिका एंब किरुबेरळु मत्तु नखगळिगे नमोनमः
४४.अनेक प्राज्ञरूपगळिंद तोरुव बिंबन बलमेलुगैयल्लिरुव चक्रक्के नमोनमः
४५.अनेक विश्वादि सहस्रमूर्तिगळिंद ऐर्पट्ट चक्रद साविर अरगळिगू नमोनमः
४६.अनेक तुरियरूपगळिंद तयाराद बिंबन एडमेलुगैयल्लिरुव गदेगे नमोनमः
४७.अनेक विश्वादि एंटु मूर्तिगळिंद ऐर्पट्ट बिंबन गदेय सुत्तिरुव गदेय एंटु अरगळिगे नमोनमः
४८.अनेक तैजस रुपगळिंद ऐर्पट्ट बिंबन एडकेळकैय्यल्लिरुव पद्मक्के नमोनमः
४९.अनेक विश्वादि साविर रूपगळिंद एर्पट्ट आ पद्मद साविरदळगळिगे नमोनमः
५०.अनेक विश्वरूपगळिंद ऐर्पट्ट बिंबन बलकेळकैय्यल्लिरुव शंखक्के नमोनमः

५१.नारायणादि नूरु रूपगळिंद ऍर्पट्ट शंखदल्लिरुव नूरु आवर्तगळिगे नमॊनमः

५२.अनॆक प्रद्युम्न रूपगळिंद तयाराद अनॆक माधवरूपगळिंद ऍर्पट्ट नम्म हृदयक्के आधारवाद बिंबन हृदयक्के नमोनमः

५३.अनॆक अनिरुद्धरूपगळिंद एर्पट्ट बिंबन वक्षस्थळक्के नमॊनमः

५४.अनॆक नृसिंहरूपगळिंद शॊभिसुव बिंबमूर्तिय एरडु स्थनगळिगू नमॊनमः

५५.अनॆक वासुदॆवरूपगळिंद तुंबिद विष्णुमूर्तिगळिंद शॊभिसुव बल मॆलु होट्टॆगे नमॊनमः

५६.अनॆक वराहरूपगळिंद तुंबिद वामनरूपगळिंद ऍर्पट्ट बिंबन एड मॆलु होट्टॆगे नमॊनमः

५७.अनॆक प्रद्युम्नरूपगळिंद तुंबिद नारायणरूपगळिंद ऍर्पट्ट बिंबन केळहोट्टॆगे(उदर) नमॊनमः

५८.अनॆक नृसिंहरूपगळिंद शॊभिसुव बिंबन गंभीर नाभिगे नमॊनमः

५९.अनॆक राम,कृष्ण,कपिल रूपगळ जॊडणेगळिंद ऍर्पट्ट बिंबन हणे,कंठ,उदरदल्लिरुव मूरुमूरु रॆखे(वलि) गळिगे नमॊनमः

६०.अनॆक नृसिंहरूपगळिंद तयाराद बिंबन नाभिय केळगिन प्रांतक्के नमॊनमः

६१.अनॆक वासुदॆवरूपगळिंद शॊभिसुव बिंबन मॆढ्रक्के(उपस्थॆंद्रियद गॊलक) नमॊनमः

६२.अनॆक नारायणरूपगळिंद शॊभिसुव बिंबन उपस्थक्के नमॊनमः

६३.अनॆक वासुदॆवरूपगळिंद ऍर्पट्ट बिंबन वृषणक्के हागू गुद प्रांतक्के नमॊनमः

६४.अनॆक प्रद्युम्नरूपगळिंद शॊभिसुव बिंबन पायु एंब इंद्रियक्के नमॊनमः

६५.अनेक वासुदेवरूपगळिंद हुट्टिद नारायणरूपगळिंद ऐर्पट्ट बिंबन कटिप्रदेशक्के नमोनमः

६६.अनेक वासुदेवरूपगळिंद तुंबिद वासुदेवरूपगळिंदे तयाराद बिंबन एरडु तोडेगलिगू नमोनमः

६७.अनेक वासुदेवरूपगळिंद तुंबिद संकर्षणरूपदिंद तुंबिरुव बिंबन एरडु जानुगळिगे(मंडि) नमोनमः

६८.अनेक वासुदेवरूपगळिंद ऐर्पट्ट प्रद्युम्न रूपगळिंद तयाराद बिंबन एरडु कणकालुगळिगे नमोनमः

६९.अनेक वासुदेवरूपगळिंद ऐर्पट्ट अनिरुद्धरूपगळिंद तयाराद बिंबन एरडु प्रपदगळिगे नमोनमः

७०.अनेक संकर्षण रूपगळिंद शोभिसुव बिंबन एरडु पादगळिगू नमोनमः अल्लिरुव पाद इंद्रियक्कू नमोनमः

७१.अनेक वासुदेवरूपगळिंद तयाराद बिंबन पाददल्लिरुव ध्वजरेखेगे नमोनमः

७२.अनेक संकर्षणरूपगळिंद ऐर्पट्ट एरडू पादगळल्लिरुव वज्ररेखेगे नमोनमः

७३.अनेक प्रद्युम्न रूपगळिंद शोभिसुव बिंबन एरडु पादगळल्लिरुव अंकुशरेखेगे नमोनमः

७४.अनेक अनिरुद्धरूपगळिंद ऐर्पट्ट बिंबन एरडू पादगळल्लिरुव पद्मरेखेगे नमोनमः

७५.अनेक नारायणरूपगळिंद तोरुव बिंबन एरडू पादगळ हेब्बेरळुगळिगू हागू उगुरुगळिगू नमोनमः

७६.अनेक वासुदेवरूपगळिंद शोभिसुव बिंबन एरडू पादगळ एरडने बेरळु हागू उगुरिगे नमोनमः
७७.अनेक संकर्षण रूपगळिंद शोभिसुव एरडू पादगळ मध्यबेरळु हागू उगुरुगळिगू नमोनमः
७८.अनेक प्रद्युम्नरूपगळिंद शोभिसुव बिंबन एरडू पादगळ अनामिक बेरळु हागू उगुगिगू नमोनमः
७९. अनेक अनिरुद्ध रूपगळिंद शोभिसुव बिंबन एरडू पादगळ किरुबेरळू हागू उगुरुगळिगू नमोनमः
८०.अनेक नारायणरूपगळिंद शोभिसुव बिंबन त्वगिंद्रियद गोलकवाद चर्मक्के नमोनमः
८१.अनेक संकर्षणरूपगळिंदेर्पट्ट त्वगींद्रियक्के नमोनमः
८२.अनेक अनिरुद्धरूपगळिंद शोभिसुव बिंबन मनस्सिगे नमोनमः
८३.अनेक प्रद्युम्नरूपगळिंद तुंबिद माधवरूपगळिंद ऐर्पट्ट बिंबन मनस्सिगे गोलकवाद हृदयक्के नमोनमः
८४.अनेक अनिरुद्धरूपगळिंद शोभिसुव बिंबन मनस्सिन प्रभेदवेनिसिद मनस्सिगे नमोनमः
८५.अनेक प्रद्युम्नरूपगळिंद तयाराद बिंबन मनस्सिन प्रभेदवेनिसिद बुद्धिगे नमोनमः
८६.अनेक संकर्षणरूपगळिंद ऐर्पट्ट बिंबन मनस्सिन प्रभेदवेनिसिद चित्तक्के नमोनमः
८७.अनेक वासुदेवरूपगळिंद शोभिसुव बिंबन मनस्सिन प्रभेदवेनिसिद चेतनक्के नमोनमः

८८.अनेक नारायणरूपगळिंदेर्पट्ट बिंबन मनस्सिन प्रभेदवेनिसिद अहंकारक्के नमोनमः

८९.अनेक संकर्षणरूपगळिंदेर्पट्ट बिंबन केशद मूलक्के नमोनमः

९०.अनेक वासुदेवरूपगळिंद शोभिसुव बिंबन शिरस्सिन कपाल उपरिभागक्के नमोनमः

९१.अनेक नारायणरूपगळिंदेर्पट्ट बिंबन रोमक्के नमोनमः

९२.अनेक वराहरूपगळिंद शोभिसुव बिंबन मांसक्के नमोनमः

९३.अनेक नारायणरूपगळिंदेर्पट्ट बिंबन रुधिरक्के (रक्त) नमोनमः

९४.अनेक अनिरुद्धरूपगळिंद तयाराद बिंबन मेधस्सिगे नमोनमः

९५.अनेक संकर्षणमूर्तिगळिंदेर्पट्ट बिंबन मुन्नूरु अरवत्तु मज्जागळिगे नमोनमः

९६.अनेक अनिरुद्धरूपगळिंदेर्पट्ट बिंबन ३६० अस्थिगळिगे नमोनमः

९७.अनेक नारायणरूपगळिंदेर्पट्ट बिंबन प्राणक्के नमोनमः

९८.अनेक वासुदेवरूपगळिंद शोभिसुव बिंबन अपानक्के नमोनमः

९९.अनेक संकर्षणरूपगळिंदेर्पट्ट बिंबन व्यानक्के नमोनमः

१००.अनेक प्रद्युम्नरूपगळिंद ऐर्पट्ट बिंबन उदानक्के नमोनमः

१०१.अनेक अनिरुद्धरूपगळिंद ऐर्पट्ट बिंबन समानक्के नमोनमः

१०२.अनेक अनिरुद्धरूपगळिंद ऐर्पट्ट बिंबन अन्नमयकोशक्के नमोनमः

१०३.अनेक प्रद्युम्नरूपगळिंद ऐर्पट्ट बिंबन प्राणमयदोकोशक्के नमोनमः

१०४.अनेक संकर्षणरूपगळिंद कूडिद मनोमयकोशक्के नमोनमः

१०५.अनेक वासुदेवरूपगळिंद शोभिसुव बिंबन विज्ञानमयकोशक्के नमोनमः

१०६.अनेक नारायणरूपगळिंद शोभिसुव बिंबन आनंदमयकोशक्के नमोनमः

१०७.अनेक नारायणरूपगळिंदेर्पट्ट बिंबनोळगिरुव अव्यक्ततत्त्वक्के नमोनमः

१०८.अनेक विश्वरूपगळिंद शोभिसुव नम्मोळगिरुव सत्वगुणक्के आश्रयवाद सत्वगुणवेंदु करेसिकोंड बिंबन सत्वगुणक्के नमोनमः

१०९.अनेक तैजसरूपगळिंद ऐर्पट्ट नम्मल्लिरुव रजोगुणक्के आधारवाद रजोगुण एंदु करेसिकोंड बिंबमूर्तिगे नमोनमः

११०.अनेक प्राज्ञरूपगळिंद ऐर्पट्ट नम्मल्लिरुव तमोगुणक्के आधारवाद तमोगुण एंदु करेसिकोंड बिंबन अप्राकृत गुणात्मकमूर्तिगे नमोनमः

१११.अनेक वासुदेवरूपगळिंद शोभिसुव नम्मल्लिरुव महतत्त्वक्के आधारवाद महतत्त्व एंदु करेसिकोंड बिंबमूर्तिगे नमोनमः

११२.अनेक संकर्षणरूपगळिंद शोभिसुव नम्मल्लिरुव अहंकारतत्त्वक्के आधारवाद अहंकारवेंदु करेसिकोंड बिंबमूर्तिगे नमोनमः

११३.अनेक प्रद्युम्नरूपगळिंद शोभिसुव नम्मल्लिरुव विज्ञानतत्त्वक्के आधारवाद विज्ञानतत्त्व एंब हेसरिनिंदिरुव बिंबरूपक्के नमोनमः

११४.अनेक अनिरुद्धरूपगळिंद शोभिसुव नम्म मनस् तत्त्वक्के आधारवाद मनस्तत्त्ववेंदु हेसरिट्टुकोंडिरुव मनस्तत्त्वद अधारमूर्तिगे नमोनमः

११५.अनेक नारायणरूपगळिंद शोभिसुव नम्मल्लिरुव आकाशतत्त्वक्के आधारवाद आकाशतत्त्व एंदु हेसरिट्टुकोंडिरुव आकाशतत्त्वद मूर्तिगे नमोनमः

११६.अनेक वासुदेवरूपगळिंद शोभिसुव नम्मल्लिरुव वायुतत्त्वक्के आधारवाद वायुतत्त्व एंदु हेसरिनिंदिरुव वयुतत्त्व एंब बिंबमूर्तिगे नमोनमः

११७.अनेक संकर्षणरूपगळिंद शोभिसुव नम्मल्लिरुव तेजस् तत्त्वक्के आधारवाद तेजस्तत्त्व एंदु हेसरिनिंदिरुव तेजस्तत्त्व एंब बिंबमूर्तिगे नमोनमः

११८.अनेक प्रद्युम्नरूपगळिंद होळेयुत्ता नम्मल्लिरुव अप् तत्त्वक्के आधारवाद अप् तत्त्व एंदु हेसरिनिंदिरुव अप् तत्त्व एंब बिंबन अप्राकृत रूपक्के नमोनमः

११९.अनेक अनिरुद्धरूपगळिंद होळेयुव नम्मल्लिरुव पृथ्वीतत्त्वक्के आधारवाद पृथ्वितत्त्व एंब हेसरिनिंदिरुव पृथ्वितत्त्व एंब बिंबन अप्राकृतरूपक्के नमोनमः

१२०.अनेक नारायणरूपगळिंद शोभिसुव नम्मल्लिरुव शब्दतत्त्वक्के आधारवाद शब्दतत्त्व एंब हेसरिनिंदिरुव शब्दतत्त्व एंब बिंबन शब्दनाम रूपक्के नमोनमः

१२१.अनेक वासुदेवरूपगळिंद शोभिसुव नम्मल्लिरुव स्पर्शतत्त्वक्के आधारवाद स्पर्शतत्त्व एंब हेसरिनिंदिरुव बिंबनिगे नमोनमः

१२२.अनेक संकर्षणरूपगळिंद एर्पट्ट नन्न रूपतत्त्वक्के आधारवाद रूपतत्त्व एंदु हेसरिट्टुकोंडिरुव तदाकार बिंबमूर्तिगे नमोनमः

१२३.अनेक प्रद्युम्नरूपगळिंद ऐर्पट्ट नन्नल्लिरुव रसतत्त्वक्के आधरवाद रसतत्त्व एंदु हेसरिट्टुकोंडिरुव आ आकारदल्लिरुव बिंबमूर्तिगे नमोनमः

१२४.नन्नोळगिरुव गंधतत्त्वक्के आधारवाद अनेक अनिरुद्धरूपगळिंद ऐर्पट्ट गंधतत्त्व एंदु हेसरु आकार धरिसिद बिंबमूर्तिगे नमोनमः

१२५.नन्न शरीरदोळगे हिंभागदल्लिरुव वज्रिकानाडिगे आधारवाद हळदि बण्णद प्रद्युम्नरूपगळिंद ऐर्पट्ट वज्रिकानाडिय आधारवाद आ हेसरिट्टुकोंड बिंबनिगे नमोनमः

१२६.नन्न शरीरदोळगे एडभागदल्लि शोभिसुव आर्य एंबनाडिगे आधारवाद अदे हेसरु रूपगळिंद शोभिसुव अनेक नीलवर्ण अनिरुद्धरूपगळिंद तयाराद बिंबनिगे नमोनमः

१२७.नन्न शरीरदोळगे मुंभागदल्लिरुव प्रकाशिनि एंब नाडिगे आधारवाद अदॆ आकार हेसरुगळन्निट्टुकोंड अनेक बिळिबण्णद वासुदेवरूपगळिंद ऎर्पट्ट बिंबमूर्तिगे नमोनमः

१२८.नन्न शरीरदोळगे दक्षिणदल्लिरुव वैद्युता एंब नाडिगे आधारवागि अदॆ आकार हेसरुगळिंद शोभिसुव अनेक पिंगळ वर्णद संकर्षणरूपगळिंद ऎर्पट्ट बिंबमूर्तिगे नमोनमः

१२९. नन्न शरीरदोळगिरुव ब्रह्मनाडिगे आधारभूतवाद ब्रह्मनाडि एंदु करेसिकोंड आ आकारदल्लॆ इरुव अनेक रक्तवर्ण नारायण रूपगळिंद ऎर्पट्ट बिंबनिगे नमोनमः

१३०.नन्न शरीरदोळगे सुषुम्नानाडिय नाल्कु दिक्कुगळल्लि निंतु ओंदोंदु दिक्किनल्लि२५र प्रकार इरुव १०० नाडिगळल्लि,१०० नाडिगळ आकारदिंद अ हेसरे इट्टुकोंडिरुव नारायणादि १०० रूपगळिंद तयाराद बिंबन १०० नाडी रूपक्के नमोनमः

१३१.आ नूरुनाडिगळल्लि पश्चिमदल्लिरुव २५ वज्रिका एंदु हेसरिनिंदिरुव नाडिगळ मध्य प्रधान वज्रिका नाडिगे आधारवागि आ हेसरु हागू आकारदिंदिरुव अनेक प्रद्युम्नरूपगळिंद ऎर्पट्ट बिंबन वज्रिका एंब नाडिरूपक्के नमोनमः

१३२.एडभागदल्लिरुव इडा एंदु हेसरिनिंद २५ नाडिगळ मध्ययिरुव इडा एंब प्रधाननाडिय हेसरु आकारदिंदिरुव अनेक अनिरुद्धरूपगळिंद ऎर्पट्ट बिंबमूर्तिय इडा एंब नाडीरूपक्के नमोनमः

१३३ पूर्वदल्लिरुव धारणी एंब हेसरिन २५ नाडिगळमध्यदल्लिरुव प्रधान धारणी नाडिय आकार हेसरु इरुव अनेक वासुदेवरूपगळिंद ऐर्पट्ट बिंबमूर्तिय धारणी एंब नाडिरूपक्के नमोनमः

१३४.दक्षिणदल्लिरुव पिंगळानामक २५नाडिगळ मध्य होळेव प्रधाननाडिय आकार, हेसरिनिंदिरुव अनेक संकर्षणरूपगळिंद तयाराद बिंबन पिंगळ एंब नाडीरूपक्के नमोनमः

१३५.नन्नोळगिरुव ७२,००० नाडी रूपदिंद ७२,००० बृहतीसहस्रनामगळिंद प्रतिपाद्यनाद गरुडवाहननाद महालक्ष्मी समेतनाद बिंबात्मक श्रीमन्नारायण स्त्रीपुरुष रूपगळिगे नमोनमः

१३६.नन्न शरीरदोळगिरुव इदे रीतियल्लि ७२,००० नाडिगळिंद हुट्टिद अनेक अवांतर नाडिगळल्लि अदे रूप अदे हेसरिट्टुकोंदिरुव अनेक बृहतीसहस्र स्वराक्षर प्रतिपाद्य रूपळिंद, व्यंजनाक्षर प्रतिपाद्य रूपगळिंदलूनू ऐर्पट्ट बिंबन अनेक रूपगळिंद शोभिसुव बिंबन अनंत नाडी समुदायक्के नमोनमः

१३७.अनेक अनिरुद्धरूपगळिंद तुंबिद मत्स्यरूपगळिंद ऐर्पट्ट बिंबन शिरस्सिनल्लिरुव किरीटद आभरणक्के नमोनमः

१३८.अनेक अनिरुद्धरूपगळिंद तुंबिद कूर्मरूपगळिंद ऐर्पट्ट बिंबन कर्णगळल्लिरुव कुंडलादि आभरणरूपगळिगे नमोनमः

१३९.अनेक अनिरुद्धरूपगळिंद तुंबिद वराहरूपगळिंद ऐर्पट्ट बिंबन कंठदल्लिरुव कौस्तुभ मोदलाद आभरणक्के नमोनमः

१४०.बृहतीसहस्र ऋक्कुगळल्लि मोदल २४०रुक्कुगळिंद प्रतिपाद्यवाद अनेक बिळियबण्णद वासुदेवरूपगळिंद ऐर्पट्ट ८०रूपद मूरुपदर बिंबन मुत्तिनमाला रूपद भगावंतनिगे नमोनमः
१४१.बृहतीसहस्र ऋक्कुगळल्लि एरडनेय २४०ऋक्कुगळिंद प्रतिपाद्यनाद अनेक पिंगळ वर्णद संकर्षणरूपदिंद ऐर्पट्ट ८०रूपगळ मूरुपदरद बिंबन वैडूर्य् मालारूपक्के नमोनमः
१४२.बृहती ऋक्कुगळल्लि मूरनेय २४०ऋक्कुगळिंद प्रतिपाद्यनाद अनेक हळदिवर्णद प्रद्युम्न रूपदिंद ऐर्पट्ट ८०रूपगळ मूरुपदरदिंद एर्पट्ट बिंबन बंगारद कासिनमाला रूपक्के नमोनमः
१४३.बृहतीसहस्रद ७२०ऋक्कुगळ नंतर बरुव (प्रतिपाद्य) ५०–५०(रूपद) ऋक्कुगळिंद ऐर्पट्ट अनेक अनिरुद्धरूपगळिंद ऐर्पट्ट अनेक रक्तवर्ण नारायणरूपदिंद तयाराद बिंबन ५०र एरडु पदरद रत्नमाला रूपक्के नमोनमः
१४४.बृहतीसहस्रद ८२० ऋक्कुगळ नंतर बरुव १८०ऋक्कुगळिंद प्रतिपाद्यनाद नीलवर्णद अनिरुद्ध रूपगळिंद ऐर्पट्ट नृसिंहरूपगळिंद तयाराद नृसिंहरूपगळिंद शोभिसुव ९०र एरडु पदरद बिंबन इंद्रनीलमणि मालारूपक्के नमोनमः
१४५.अनेक नृसिंहरूपगळिंद ऐर्पट्ट वामन रूपगळिंद शोभिसुव बिंबन बाहुगळल्लिरुव केयूर मोदलाद आभरणरूपक्के नमोनमः
१४६.अनेक नृसिंहरूपगळिंद तुंबिद भार्गवरूपगळिंद ऐर्पट्ट बिंबन सोंटदल्लिरुव बंगारद डाबु,उडिदार मोदलाद आभरणक्के नमोनमः
१४७.अनेक संकर्षणरूपगळिंद तुंबिद रामरूपगळिंद ऐर्पट्ट बिंबन पादगळल्लिरुव गेज्जे कडग मोदलाद आभरणरूपक्के नमोनमः

१४८.अनेक संकर्षणरूपगळिंद तुंबिद कृष्णरूपगळिंद ऐर्पट्ट बिंबन करगळल्लिरुव कंकण आभरणरूपक्के नमोनमः
१४९.अनेक संकर्षण रूपगळिंद तुंबिद कल्किरूपगळिंद ऐर्पट्ट बिंबन हस्तद बेरळिनल्लिरुव अंगुलीयकादि आभरणरूपक्के नमोनमः
१५०.अनेक प्रद्युम्न संकर्षण रूपगळिंद तुंबिद मत्स्यादि नवरूपदिंद ऐर्पट्ट बिंबन सर्वाभरणगळल्लि खचितवाद नवरत्नरूपगळिगे नमोनमः
१५१.अधमाधिकारिगळिंद उपास्यवाद आत्मत्व एंब अनिरुद्धरूपगळिंद तयाराद बिंबन "आत्म" गुणक्के नमोनमः
१५२.मनुष्योत्तमरिंद उपास्यवाद अनेक वासुदेवरूपगळिंद ऐर्पट्ट बिंबन "आनंद" गुणक्के नमोनमः
१५३.मनुष्योत्तमरिंद उपास्यवाद अनेक संकर्षण रूपगळिंद ऐर्पट्ट बिंबन "चित्/ज्ञान" गुणक्के नमोनमः
१५४.अनेक प्रद्युम्नरूपगळिंद ऐर्पट्ट बिंबन "सत्" गुणक्के नमोनमः
१५५.इदे रीतियल्लि इच्छा,दृति,वीर्य,औदार्य,प्रागल्भ्य,विराग शम,दम मोदलाद अनंत गुणगळिंद,अनंत रूपगळिंद शोभिसुव बिंबन अनंत रूपगळिगे नमोनमः
१५६.अनंत विश्वरूपगळिंद शोभिसुव बिंबन "सृष्टि" एंब क्रियेगे नमोनमः
१५७.अनेक तैजस मूर्तिगळिंद शोभिसुव बिंबन "पालना" क्रियेगे नमोनमः
१५८.अनेक प्राज्ञरूपगळिंद शोभिसुव बिंबन "संहार" क्रियेगे नमोनमः
१५९.अनंत रूपगळिंद ऐर्पट्ट बिंबन अनंत क्रियेगळिगे नमोनमः
१६०.ई रीतियल्लि अनंत अनंतरूपगळिंद कूडिद बिंबन ओंदोदु रूपक्कू नमोनमः

१६१.अनंतानंत क्रियारूपगळिंद कूडिद बिंबन ओंदोंदु क्रियेगू नमोनमः
१६२.अनंतरूपगळिंद तुंबिद गुणगळिंद ऐर्पट्ट बिंबन अनंतगुणात्मक क्रियेगू नमोनमः
१६३.अनंतानंत क्रियारूपगळिंद शोभिसुव भगवंतनाद बिंबन ओंदोंदु क्रियेगू नमोनमः
१६४.इल्लि प्रतियोंदु कडेगू नमोनमः एंदु हेळिदाग ई रीति अनुसंधान इरबेकु "षोडशोपचार पूजेगळल्लि ऐनेल्ला भगवद्रूपगळु – पदार्थगळल्लू, सलकरणेगळल्लू, सकल कायक, मानसिक क्रियेगळल्लू इद्द प्रकटवाद देवर अनंतरूपगळु नमः एंदु नुडिदाग प्रकटवागुव भगवद्रूपगळल्लि इद्देइवे एंदु दृढवागि तिळिदु नमः एंदु नुडियुवुदर मूलक देवर प्रतियोंदु रूपक्कू षोडशोपचार पूजेगळन्नु तन्मूलक तत्त्वाभिमानि देवतेगळु अर्पणे माडुत्तिद्दारेंदु तिळिदु परमादर पूर्वक विश्वासदिंद भक्तियिंद निरंतरवू नेनेयबेकु".
ई रीतिय नेनपु दिनदिनवू आदरपूर्वक निरंतरवागिद्दरेने अदक्के "साधने" एंदु हेसरु.
॥श्री कृष्णार्पणमस्तु॥

स्थूलशरीर सृष्टि प्रकरण
अनादि कालदिंद नन्न देहदल्लि मुखदल्लि मुखवेंब क्रमदिंद नन्न सकल अवयवगळल्लू रमादेविय अवयवगळिंद व्यापिसि निंतिरुव नन्न बिंबमूर्तिगे नमोनमः

नन्न कर्मानुसार आया देहगळन्नु कोडुत्ता अल्लल्लि तन्न गुणगळ मूलक नन्न गुणगळन्नु, तन्न क्रियेगळ मूलक नन्न क्रियेगळन्नु अनादिकालदिंद हिडिदु अनंतकालदवरेगू प्रकट माडिद, माडुत्तिरुव नन्न बिंबमूर्तिगे नमोनमः

लयकालद अनंतर तन्न दृष्ठियिंदलॆ उदरदल्लिरुव मुक्तरादवरन्नु ध्यानदल्लिरुवंते माडिद, सृष्ठियागबेकादवरन्नु मेलक्के तंदु, मुंदे सृष्ठियागुववरन्नु निद्रेयल्लियॆ मलगिसिद देवर अध्भुतवाद नोटक्के नमोनमः

जगत्तन्नु सृष्ठिमाडि,स्थितिमाडि, संहार माडुवुदक्कागि ज्ञानोपदेशक्कागि दुष्ट भय परिहारक्कागि तानॆ हेळिद धर्मद परिपालनेगागि अनंत रूपगळन्नु चूरु विकारविल्लदे स्वीकार माडिद भगवंतन रूपगळ सृष्टि एंदु करेसिकोंड "शुद्ध" सृष्टिगे नमोनमः

देवर विश्व,तैजस रूपगळिंद प्रेरितरागि ऐर्पट्ट अव्यक्त प्रकृति, व्यक्त प्रकृति,व्यक्ताव्यक्त प्रकृति एंब मूरु रूपदल्लि निंत श्री, भू, दुर्गांतर्गत विश्व, तैजस, प्राज्ञ रूपगळिंद अभिन्नवाद नन्न बिंबमूर्तिगे नमोनमः

व्यक्ताव्यक्त प्रकृति एंदु करेसिकोंड सत्व, रजस्सु ,तमोगुणगळाद मूररल्लू निंत श्री भू दुर्गांतर्गत विश्व तैजस प्राज्ञ रूपगळिंद अभिन्नवाद नन्न बिंबक्के नमोनमः

व्यक्तप्रकृति एंदु करेसिकोंड इडी ब्रह्मांडदोळगे कणकणदल्लि तुंबिद मूरु गुणगळल्लू तन्न मूरु रूपवन्निट्टु ब्रह्मांड सृष्टिसिद भगवंतन विराट्रूपक्के नमोनमः

२४तत्वगळल्लू, तत्वाभिमानि देवतेगळल्लू अवरवरिगे कोट्ट शरीरगळल्लू अनंत भगावद्रूपगळिगू, आ देवतेगळ मूलक कट्टिसिद ब्रह्मांडदोळगे, ब्रह्मदेवर मूलक हदिनाल्कु लोकगळन्नु निर्मिसि, नीरु, बेंकि, मण्णु मूररल्लि,

ओंबत्तु जन दॆवतॆगळन्निट्टु ऎल्लर दॆहगळन्नु कॊट्टु प्रतियॊंदु दॆहदल्लू निंतु व्यापार माडिसुव भगवद्रूपक्कॆ अभिन्न बिंबरूपक्कॆ नमॊनमः

नन्न कर्मानुसार कर्मनामकनागि निंतु नन्न तंदॆ ओळगॆ प्रद्युम्ननामकनागि निंतु उंड अन्न श्री, प्राण, रुद्रर मूलक मूरुभाग माडिसि ऎर्पट्ट रॆतस्सिनल्लि नन्न जॊतॆगॆ संकर्षणनागि तानॆ इद्दु, तंदॆय आकारद प्रद्युम्न रूपदिंद, तायिय आकारद अनिरुद्धन गर्भदल्लि, रॆतस्सिनॊळगिरुव नन्न जॊतॆगॆ बंदु, निंत संकर्षणमूर्तिगॆ अवनिंद अभिन्ननाद नन्न बिंबनिगॆ नमॊनमः

तायिय गर्भदल्लि रॆतस्सिनॊळगॆ नन्न जॊतॆगॆ इद्दु जीर्णवागदंतॆ कपाडिद अनिरुद्ध रूपक्कॆ अनंत कॊटि नमस्करगळु.

नन्न कर्मानुसार नन्न शरीरद अवयवगळन्नु वायुदॆवर मूलक निर्माण माडिसिद संकर्षण नामक रूपदिंदिरुव नन्न बिंबमूर्तिगॆ नमॊनमः

८४लक्ष शरीरगळिंद भिन्नवाद सुंदरवागि ऎल्ला ज्ञान पडॆदुकॊळ्ळलिक्कॆ साधनवाद इंतह शरीरवन्नु ननगॆ कॊट्टु धारणॆ माडिद वासुदॆवादि रूपगळिगू, अनॆक कमलगळू, नाडिगळिगू आधारवाद अनंत भगवद्रूपगळिगॆ नमॊनमः

नन्न शिरस्सु मॊदलुगॊंडु पादपर्यंत सकल अवयवगळल्लि सकल इंद्रियगळल्लि सकल धातुगळल्लि निंत ऎल्ला भगवद्रूपगळिगू (बिंब संस्थापनदल्लि हॆळिदंतॆ) नमॊनमः

चॆष्टाप्रदनागि विश्व, तैजस, प्राज्ञरूपगळिंद जागृत्, स्वप्न, सुषुप्ति अवस्थागळिगॆ कारणवाद भगवद्रूपगळिगॆ नमॊनमः

नन्न शरीरदॊळगॆ निंत भगवंतन अनंत धारक, अनंत पॊषक रूपगळिगू. अनंत चॆष्टक रूपगळिगू, अनंत प्रॆरक रूपगळिगू नमॊनमः

प्राण,अपान,व्यान,उदान,समानरेंब दासप्राणरल्लि क्रमवागि निंत प्राणदेवर ऐदु रूपगळिगू, अल्लि निंत भगवद्रूपगळिगू नमोनमः (सदा आदरपूर्वकवाद भगवंतन चिंतने प्रतिदिनवू, प्रतिक्षणवू निम्म दयदिंद ननगे एडबिडदे बरुवंते अनुग्रहिसि).

गुणत्रयदल्लि निंत ब्रह्म रुद्र इंद्र स्कंदरु अवरवर पत्नियरु अल्लल्लि निंत भगवद्रूपगळिगू नमोनमः (प्रार्थने)

महत्तत्व नियामकरागि निंत ब्रह्म वायु सरस्वति यरिगे अल्लिरुव भगवद्रूपगळिगे अनंत नमस्कारगळु.

अहंकर तत्व नियामकरागि रुद्र गरुड शेष अंतर्यामि भगवद्रूपगळिगे नमोनमः

बुद्दि तत्वाभिमानिगळाद उमा वारुणि सौपर्णियरल्लि निंत बगवद्रूपगळिगू नमोनमः

मनस् तत्व नियामकराद इंद्र काम अनिरुद्धरिगे अवरोळगिरुव भगवद्रूपगळिगे नमोनमः

ज्ञानेंद्रियगळिगेल्ल नियामकळाद उमादेविगू अवरंतर्गत भगवद्रूपक्के नमोनमः

कर्मेंद्रिय समूहक्के नियामकराद अहंकारिक प्राणदेवरिगे अवरोळगिरुव भगवद्रूपक्के नमोनमः

मनस्सेंब इंद्रिय नियामकराद ब्रह्म वायु गरुड शेष रुद्र चंद्र वरुणरिगे अवरोळगिरुव भगवद्रूपक्के नमोनमः

श्रोत्रेंद्रियदोळगिरुव नियामकराद चंद्र, वरुण, मित्र, यम, कुबेररिगू अवरोळगिरुव भगवद्रुपगळिगे नमोनमः

चक्षुस् अभिमानि सूर्यन अंतर्गत भगवद्रूपक्के नमोनमः

रसनेंद्रिय नियामकराद वरुणदेवरिगे अल्लिरुव भगवद्रूपक्के नमोनमः
त्वगिंद्रियदल्लि अभिमानिगळाद वायुसुतनाद मरुत् ओळगिरुव भगवद्रूपक्के नमोनमः
घ्राणेंद्रियगळल्लि अभिमानिगळाद अश्विनिदेवतेगळिगू नियामक भगवद्रूपक्के नमोनमः
वागाभिमानिगळाद अग्निदेवरिगू अवरंतर्गत भगवद्रूपक्के नमोनमः
हस्तेंद्रियक्के अभिमानिगळाद वायुसुत मरुत् दक्षप्रजापतिगळिगू अवरंतर्गत भगवद्रूपक्के नमोनमः
पादेंद्रिय अभिमानिगळाद जयंतनिगू , शचीदेविय मक्कळाद यज्ञ मत्तु शंबु इवरिब्बरिगे, अल्लल्लि निंत भगवद्रूपक्के नमोनम्ः
पायु इंद्रिय नियामकराद मित्र यमरिगे अवरोळगे निंतिरुव नियामक भगवद्रूपक्के नमोनमः
उपस्तेंद्रिय नियामकराद रुद्र हागू स्वायंभूमनुगळिगे अवरंतर्गत भगवद्रूपक्के नमोनमः
आकाशाभिमानिगळाद गणपतिगू अवरंतर्गत भगवद्रूपक्के नमोनमः
वायुविगे अभिमानिगळाद वायुसुत मरीचिगे अल्लिरुव भगवद्रूपक्के नमोनमः
अग्नियल्लि निंत पावकनेंब अग्निगे नियामक भगवद्रूपक्के नमोनमः
नीरिनल्लि अभिमानियाद वरुणदेवरिगे अंतर्गत भगवद्रूपक्के नमोनमः
भूमियल्लि निंत अभिमानियाद धरादेविगू शनैश्चरनिगू अल्लल्लिरुव भगवद्रूपक्के नमोनमः
नीवेल्लरु नन्नोळगिद्दुकोंडु नन्न साधने माडिसुत्ता इद्दीरेंब एच्चर सदाकोट्टु अनुग्रहमाडि. निम्म करुणेयिल्लदिद्दरे भगवंतन सतत चिंतने बरुवुदु

असाध्य. प्रतियोंदु कर्म नडेयुवाग नन्न जोते नीवेल्ला इद्दीरेंब अनुभव सदा बरलि. निम्म विस्मृति एंदू बारदिरलि. नन्नल्लि दॆव हागू दैत्यरन्नु प्रवॆशमाडिसि अवर मूलक कर्मगळन्नु माडिसि ओळ्ळे फलगळन्नु दॆवतेगळिगू, केट्ट फलगळन्नु दैत्यरिगू उणिसि एरडू फलगळन्नु नन्न उद्धारक्कागि सतत अनुभव कोडुवंथ बिंबमूर्तिगे नमॊनमः. अनंतर आयुर्यज्ञ प्रकरणवन्नु इल्लि चिंतने माडबॆकु.

॥श्री कृष्णार्पणमस्तु॥

----

०६. अवस्थात्रय प्रकरण

स्थूलशरीर कोट्टु नन्न जोतेगॆने दॆवदैत्यरन्नु नन्नोळगे निल्लिसि व्यापारगळन्नु माडिसलिक्कागि मूरु अवस्थेगळन्नु निर्माण माडिद विश्व, तैजस हागू प्राज्ञरूपात्मकवाद बिंबमूर्तिगे नमॊनमः

अवस्थात्रयवन्नु निर्माण माडबॆकेंब बिंबमूर्तिय इच्चेगे नमॊनमः

आ इच्चेगनुसरिसि मूरु गुणगळिंद कूडिद नन्न बुद्धियोळगे मूरुगुण रूपगळिंद निंत विश्व, तैजस हागू प्राज्ञ रूपगळिगू, नन्नल्लि प्रकटमाडिद बुद्दिय (उद्बोद) प्रॆरणे अदरल्लिरुव दॆवर मूर्तिगे नमॊनमः

नंतर बिंबन गुणत्रयद रूपगळल्लिरुव विश्व, तैजस हागू प्राज्ञरूपगळिगू, ब्रह्मादि दॆवतेगळ मूलक नन्न स्थूल शरीरदल्लि प्रवॆशमाडि, अल्लिरुव बुद्धियल्लिरुव विश्वादिरूपगळिंद विश्वदि मूर्तिगळु. ब्रह्मदि रूपगळिंद ब्रह्मादि

रूपगळु ऐक्य आगि नन्न बुद्धियन्नु प्रचोदने माडि, ननगे कोट्ट मूरु अवस्थेगळ आकारद भगवद्रूपक्के नमोनमः
बिंबन बुद्धियिंद हिडिदु नन्न बुद्धिय पर्यंत ओंदालोचने बरलिक्के ऎनेल्ला देवर देवतेगळ अनांतरूपगळु होरटुबरुत्तायिवेयो आ एल्ला रूपगळु क्षणक्षणदल्लि बरुव प्रतियोंदु आलोचनेयल्लू तावु प्रकटवागि निंत नन्न जीवनवन्नु नडेसुत्तिवे. अंतह देवर देवतेगळ अनंत रूपगळिगे नमोनमः
मूरु अवस्थेगळल्लि प्रकटवागि नन्नन्नु एडबिडदे कायुव इंतह देवर देवतेगळ रूपगळिगे सदा नमस्कारगळु. ई नेनपु तत्वाभिमानिगळ मूलक सदा कोडु हरिये. ऎनेल्ला आलोचनेगळ रूपगळ चिंतने, आया कालदल्लि, नन्न कर्मानुसार बरदेयिद्दल्लि अनंतरदल्लि ज्ञान बंदाग, नीनु ज्ञान कोट्टाग निनगर्पिसुवंते माडु हरिये!
मूरु अवस्थेगळल्लू स्वतंत्रवागि नीनिल्लदे नानिरलारे, निनगे याव प्रयोजनविल्लदिद्दारू मूरु अवस्थेगळिंद कूडिद २४ गंटेगळ काल नन्नन्नु नन्न कर्मानुसार बेकाद्दन्नेल्ला कोट्टु तायियंते एडबिडदे सलहुव, ननगागि हेणगुव निन्न दये ननगे सदा नेनपिरुवंते माडु.
॥श्रीकृष्णार्पणमस्तु॥

----

०७. प्राणव्यापार प्रकरण

नन्नोळगे, विश्वनामक भगवंतनिंद अभिन्ननाद, प्राण,अपान,व्यान,उदान,समान एंब ऐदु रूपगळिंद वायुदेवर प्राणादि ऐदु रूपगळल्लि निंतु, प्राणदेवर मूलक नन्न सर्व व्यापारगळन्नू माडिसुवंथ बिंबमूर्तिगे नमोनमः

नन्न मुख नासिक, श्रोत्रगळेंब मूरु स्थानगळल्लि, दासप्राणरल्लि ,शेषदेवरोळगे निंत, प्राणनामक मुख्यप्राणनल्लि निंत, प्राणनेंदु हेसरिट्टुकोंड नारायण रूप माडिसुव श्वासकार्यक्कू आया भगवद्रूपगळिगू, प्राणादि रूपगळिगू नमोनमः

प्राणनामक भगवंतनु होरगे बरुत्ता "स"कारवन्नु प्रकटिसुत्ताने. आ स कारदोळगिरुव भगवद्रूपक्के नमोनमः

ओळगे प्रवेश माडुत्ता "ह"कारवन्नु प्रकटमाडुत्ताने. आ ह कारगत भगवद्रूपक्के नमोनमः

होगिबरुव भरदिंद "हंस" एंदु प्रकटवागुत्तदे, अल्लिरुव भगवद्रूपक्के नमोनमः

नन्नोळगे हंसरूपदिंद निंत भगवंतनिगे नमोनमः

भगवंतनु हंसनामकनु, नानु अवन प्रतिबिंब एंदु उपस्थेंद्रियगळल्लिरुव अपाननामक जडवायुविनोळगिरुव अपाननामक दासप्राणनल्लिरुव,अपाननामक गरुडनल्लिरुव अपाननामक मुख्यप्राणनल्लिरुव, अपाननामक वासुदेवरूपक्के नमोनमः

उंड अन्नवन्नु विभाग माडि पचन माडुव समाननामक जडवायुविनल्लिरुव, समाननामक दासप्राणनल्लिरुव, समाननामक इंद्रदेवरल्लिरुव, समाननामक मुख्यप्राणनल्लिरुव, समाननामक अनिरुद्ध रूपक्के नमोनमः

नाभिप्रदेशदल्लिद्दु व्यापार माडुववने समान, नन्न शरीरदोळगे ७२,००० नाडिगळल्लि निंतु शरीर हाळागदंते तिरुगाडुत्ता नाना कठिणकर्मगळन्नु माडिसुव व्याननामक जडवायुविनोळगिरुव, व्याननामक दासप्राननोळगिरुव, व्याननामक मुख्यप्राणनोळगिरुव व्याननामक संकर्षण रूपक्के नमोनमः नन्नोळगिरुव सुषुम्नानाडियल्लि निंतिरुव, नाडि मूलक जीवरन्नु मेलक्के करेदुकोंडु होगुव, उदाननामक जडवायुविनोळगिरुव, उदाननामक रुद्रदेवरल्लिरुव, उदाननामक मुख्यप्राणनोळगिरुव, उदाननामक प्रद्युम्ननिगे नमोनमः

प्राणांतर्गत नारायण ! नीनु दयदिंद निन्न स्वातंत्रद नेनपिनिंद कूडिद सकल कर्मगळन्नु निन्न पूजेयेंब भावने कोट्टु माडिसु.

हे! व्यानंतर्गत संकर्षण साधनेय प्रतिबंधकगळन्नु दयविट्टु तेगेदुबिडु.

उदानांतर्गत प्रद्युम्न नन्निंद निन्न प्रीतिकरवाद योगकर्मगळन्नु दयदिंद माडिसु.

हे!अपानंतर्गत वासुदेव, निनगे प्रियवल्लद अन्य कर्मगळन्नु बिडिसु.

समानांतर्गत अनिरुद्ध, दयदिंद नन्न देह, इंद्रिय, मनस्सुगळन्नु निन्न कडेगे प्रेरिसु.

नन्न शरीरदल्लि प्राणदेवरन्ने आश्रयवागिट्टुकोंडु, रमादेवियन्ने प्रतिमेयन्नागि माडि ननगे सदा प्रियवन्ने माडुवुदरिंद "प्रिय" एंब रहस्यनाम होत्तिरुव हे! बिंब मूर्तिये निन्न चिंतने सदाबरलि.

॥श्रीकृष्णार्पणमस्तु॥

----

०८. भोजन प्रकरण

भोजन कालद पदार्थगळल्लि सर्वत्र निंतिरुव ब्रह्मादि पुष्करांत देवतेगळिगे, अवरोळगे निंतिरुव अनिरुद्ध नारायणरिगे नमोनमः

अन्नदोळगिरुव सोमांतर्गत केशवनिगे नमोनमः

भक्ष्यगळल्लिरुव सूर्यांतर्गत माधवनिगे नमोनमः

परमान्नदल्लिरुव भारति अंतर्गत नारायणनिगे नमोनमः

घृतदोळगिरुव लक्ष्मीपतियाद गोविंदनिगे नमोनमः

क्षीरदोळगिरुव सरस्वति अंतर्गत विष्णुविगे नमोनमः

मंडिगेयल्लिप्प चतुर्मुखांतर्गत मधुसूदननिगे नमोनमः

दधियल्लि सोम वरुणांतर्गत वामननिगे नमोनमः

सूपदोळगिरुव गरुडांतर्गत श्रीधरनिगे नमोनमः

पत्रशाखगळल्लि शेषांतर्गत पद्मनाभनिगे नमोनमः

आम्ल पदार्थगळल्लि निंत पार्वति अंतर्गत दामोदरनिगे नमोनमः

अनाम्ल पदार्थगळल्लिरुव रुद्रांतर्गत संकर्षणनिगे नमोनमः

बेल्लसक्करे मोदलाद मधुर द्रव्यगळल्लिरुव इंद्रांतर्गत वासुदेवनिगे नमोनमः

खारपदार्थगळल्लिरुव यमांतर्गत अनिरुद्धनिगे नमोनमः

कर्पूर केसरि मोदलाद पदार्थगळल्लिरुव लक्ष्मीपतियाद पुरुषोत्तमनिगे नमोनमः

चोष्य, पेय, लेह्य, खाद्य मोदलाद पक्वान्नदल्लिरुव बुधांतर्गत अधोक्षजनिगे नमोनमः

एळ्ळु, कुंबळकायि, उद्दु इवुगळिंद कूडिरुव भक्षगळल्लि दक्षांतर्गत नारसिंहनिगे नमोनमः

माष (उद्दु) भक्षदल्लिरुव स्वायंभुव मनु अंतर्गत अच्च्युतनिगे नमोनमः
लवणदल्लिरुव निऋति अंतर्गत जनार्दननिगे नमॊनमः
तांबूलदल्लिरुव गंगेय ओळगिरुव श्रीहरिगे नमॊनमः
स्वादॊदकदल्लिरुव बुधांतर्गत श्रीकृष्णानिगे नमॊनमः
एल्ला शुद्ध द्रव्यगळल्लिरुव पुष्करांतर्गत हंसनामकनिगे नमॊनमः
ओलेगळल्लि अग्नि अंतर्गत परशुरामनिगे नमॊनमः
कट्टिगे,कुरुळु,इज्जलुगळल्लिरुव वसंतांतर्गत संकर्षणनिगे नमॊनमः
पाककर्तृगळल्लि निंतिरुव भीमांतर्गत श्रीदॆवियल्लि निंतिरुव विश्वंभरनिगे नमॊनमः
अडिगे पात्रेगळल्लिरुव वारुणियल्लि निंत आनंदनामक भगवंतनिगे नमॊनमः
भॊजन पात्रेयल्लि दुर्गांतर्गत सत्यनामक भगवंतनिगे नमॊनमः
भॊजनपात्रेय केळगिन मंडलदल्लिरुव भूमि अंतर्गत वराहनिगे नमॊनमः
भॊजन ओळगे हॊगलु अवकाश कॊडुव वासुदेवनिगे नमॊनमः
हन्नॊंदु अंगगळिंद नन्नोळगे निंत वैश्वानरमूर्तिगे नमॊनमः
नन्न शरीरदल्लि वैश्वानर अग्नियन्नु उद्धीपन माडुव प्राण अपानांतर्गत नारायण वासुदॆवरूपगळिगू नाल्कु रीतियाद अन्नवन्नु पचनवन्नु माडुव वैश्वानरमूर्तिगे नमॊनमः
पचनवन्नु माडिद अन्नवन्नु मूरु भागमाडि, स्थूलभागवन्नु पुरीषादिगळिगागि इट्टु, मध्यभागवन्नु मत्तु अणुतम भागवन्नू तेगेदुकॊंडु धारणे, पॊषणे, चेष्टा मॊदलाद शरीर व्यापार निर्वहणे माडलिक्कागि अणुअणुविनल्लि निंत ब्रह्मादि पुष्करांत दॆवतेगळिगू एल्लरल्लि निंत भगवद्रूपगळिगू, अल्लल्लिगे हॊगि अवरवर रूपगळन्नु अवरवरिगे सॆरिसुव समानांतर्गत अनिरुद्धनिगे नमॊनमः

भोजनक्के मोदलु स्वीकरमाडुव मंत्रपूतवाद नीरु मुख्यप्राणादेवरिगे समर्पणेगागि केळगे हाकुव वस्त्रवागलि अल्लिरुव भगवद्रूपगळिगे नमोनमः
नानु उण्णुव अन्न देवतेगळु प्राणदेवरिगे कोडुव कप्पवागिदे, अल्लिरुव भगवद्रूपगळिगे नमोनमः
भोजनद अंत्यदल्लि स्वीकरिसुव मंत्रपूत जलवु प्राणदेवर अन्नक्के मेले मुच्चुव वस्त्रवागलि, अल्लिरुव भगवद्रूपक्के नमोनमः
नन्न हृदयदल्लि कर्णिकामूलदल्लि अंगुष्ठाग्रद अळतेयिंद इरुव मूलेशनिगे नमोनमः
हृदयकर्णिका अग्रदल्लि अंगुष्ठमात्र परिमाणदल्लि निंतिरुव सुषुम्नादल्लि ननगाधारवाद अग्रेशनिगे नमोनमः
हृदयकमलद आकारवागि चोटुद्द परिमाणदल्लि निंतिरुव ननगे सदा आधारवाद प्रादेशनामक भगवंतनिगे नमोनमः
नानु उंड अन्नद सारवन्नु नाडिगळ मूलक लक्ष्मीदेवि सहितवागि स्वीकार माडुव विराटरूपक्के नमोनमः
हृदयदल्लिरुव मूरु रूपगळिगू हृदयवे आश्रयवागिदे, रमादेवियॆ प्रतिमेयागिद्दाळे. ननगे (जीवनिगे) सदा स्थितियन्नु कोडुवुदरिंद "स्थिति" एंब रहस्यनाम होत्त बिंबमूर्तिगे नमोनमः
बिंबमूर्तिगे हृदयवे आश्रय, रमादेवियॆ मुख्यप्रतिमा, संसारवेंब, लिंगदेहवेंब अनिष्टवन्नु निवृत्ति माडुवुदरिंद "हरि" एंब रहस्यनाम होत्त बिंबमूर्तिगे नमोनमः
अद्भुतवाद श्वेतद्वीपवेंब स्थानवन्नु, अमृत सुरियुव अश्वत्थवन्नु, विस्थारवाद शेष मंचवन्नु अलौकीकवाद तन्नदे आद रूपगळिंद शोभिसुव नाना

भोगगळन्नु बिट्टु नन्न ई शरीरवेंब नवद्वारगळिंद मलसुरियुव, चिक्क हृदयकमलवेंब मंचदल्लि मलगिरुव, भक्तिये इल्लदे नानु माडुव पूजेयन्नु दयदिंद स्वीकरिसुव बिंबमूर्तिगे अनंत नमस्कारगळु..
॥श्रीकृष्णार्पणमस्तु॥

----

०९. इंद्रिय व्यापार प्रकरण
नन्न मनस्सिनल्लि अनिरुद्धनामकनागि अनेक आलोचनेगळन्नु कोडुवुदर मूलक साधने माडिसुत्तिरुव बिंबमूर्तिय मनोनामक अनिरुद्ध रूपक्के नमोनमः
२४तत्वाभिमानिगळ हेसरु आया आकारगळिंद इरुव बिंब मनस्सिन अनिरुद्ध रूपद जोतेगिरुव भगवंतन २४ रूपगळिगे नमोनमः
नन्न स्वरूपदेहद मनस्सिगे नियामकनागि निंतिरुव अनिरुद्धरूपक्कू, भगवंतन २४ रूपगळिगू, वायुदेवर २४रूपगळिगू नमोनमः
नन्न लिंगदेहद मनस्सिनल्लिरुव ब्रह्म वायु सरस्वति भारतियर प्रत्येक प्रत्येक २४रूपगळिगू, अवरव ओळगिरुव भगवद्रूपगळु अल्लदे प्रत्येक प्रत्येक २४रूपगळिगू, आल्लेल्लाकडे निंतिरुव भगवद्रूपगळिगू, अदल्लदे प्रत्येक प्रत्येक २४रूपगळ जोते नन्न निंतिरुव अनिरुद्ध रूपक्के नमोनमः
नन्न स्थूलदेहद मनस्सिनल्लिरुव २४तत्त्वाभिमानिगळ रूपक्कू, अवनल्लि निंतिरुव ब्रह्म वायु सरस्वति भारतियर प्रत्येक प्रत्येक रूपगळिगू अल्लल्लि निंतिरुव भगवद्रूपगळिगू, तन्नदे आद २४रूपगळिंद शोभिसुव अनिरुद्ध रूपक्के नमोनमः

ओंदालोचने कोडुवुदक्कागि बिंबन मनस्सिन स्थानदल्लिरुव अनिरुद्ध हागू २४रूपगळिंद प्रकटवाद अंथद्दे रूपगळिंद, स्वरूप,लिंग,अनिरुद्ध देहगळ मनस्सिनल्लिरुव, दॆवर दॆवतेगळ रूपगळिंद प्रकटवाद, स्थूलदॆहदल्लिरुव मनस्सिनल्लिरुवा, तम्म तम्म रूपगळिंद ऐक्यवाद दॆवर दॆवतेगळ, प्रकतीभूतवाद(होरबं्दंत) ऋपगळिगे नमॊनमः

बिंबन मनस्सिन स्थानदल्लिरुव अनिरुद्धरूप मत्तु २४भगवद्रूपगळु अवुगळिंद प्रादुर्भूतवाद २४रूपगळ सहित अनिरुद्धरूप, स्वरूपदॆहदल्लिरुव तन्न रूपगळिंद ऐक्यवागिदे. नन्न मनस्सिनल्लिरुव आ रूपगळिगे नमॊनमः

स्वरूपदेहद मनस्सिनिंद प्रकटवद भगवंतन २४ रूपगळ सहितवाद अनिरुद्धरूपक्कू, वायुदॆवर प्रकटवाद २४रूपगळल्लि निंतिरुव भगवद्रूपगळिगू नमॊनमः

ई रूपगळु लिंगदॆहदल्लिरुव तम्म तम्म रूपगळिंद ऐक्यहोंदि अल्लिंद प्रकटवागि अनिरुद्धदॆहदल्लिरुव तम्मतम्म रूपगळिंद ऐक्य होंदलिरुव अनिरुद्धरूप, दॆवर २४रूपगळु,ब्रह्म,वायु,सरस्वति,भारतियर प्रत्यॆक प्रत्यॆक रूपगळिगू नमॊनमः

अनिरुद्धदॆहदिंद प्रकटवाद स्थूलदॆहद मनस्सिनल्लिरुव तम्म तम्म रूपळिंद ऐक्यहोंदलिरुव अनिरुद्धरूप, दॆवर २४रूपगळु ब्रह्म, वायु, सरस्वति, भारतियर प्रत्यॆक प्रत्यॆक २४रूपगळु, तत्वाभिमानिगळ प्रत्यॆक प्रत्यॆक रूपगळु, अल्लल्लि एल्ला कडे निंतिरुव अनंत भगवद्रूपगळिगे नमॊनमः

ई रूपगळिगेल्ला स्थूलदॆहद मनस्सिनल्लिरुव तम्म तम्म रूपगळिंद ऐक्य आदमॆले प्रकटवाद आया गुंपु गुंपाद दॆवर दॆवतेगळ नियामक रूपगळिगू नमॊनमः

नन्न मनस्सिनल्लिरुव अहंकार ममकारगळिगे प्रेरकराद रुद्रांतर्गत बिंबमूर्तिगे नमोनमः
यज्ञादिकर्मगळल्लि मनस्सन्नु प्रेरणेमाडुव चंद्र इंद्र अवरंतर्गत बिंबमूर्तिगे नमोनमः
होरगिन सकल पदार्थगळल्लि भगवंतन व्यापारद चिंतने कोडुव चंद्र इंद्र रुद्रांतर्गत बिंबमूर्तिगे नमोनमः
नन्न शरीरदोळगिरुव इंद्रियक्के गोचरवल्लद अनेक सूक्ष्म विषयगळ ओळगिरुव देवर चिंतनेकोडुव ब्रह्म वायु शेष शिव गरुडर नियामक बिंबमूर्तिगे नमोनमः
आ सूक्ष्म विषयदल्लू ज्ञान भक्त्यादिगळन्नु प्रेरणे माडुव भारति सरस्वति अंतर्गत वायु मत्तु ब्रह्मदेवर बिंबमूर्तिगे नमोनमः
भगवत्तत्वद व्याख्यानवन्नु माडुवाग मन् प्रेरकराद शेषांतर्गत भगवंतनिगे नमोनमः
हेळबेकाद विषयवन्नु मनन माडिसुव रुद्रांतर्गत भगवंतनिगे (बिंबमूर्तिगे) नमोनमः
सतत देवर ध्यान दयपालिसुव गरुडांतर्गत श्रीहरिगे नमोनमः
पंचरात्रादि शास्त्रद श्रवण मडुव मनस्सन्नु कोडुव शेषांतर्गत बिंबमूर्तिगे नमोनमः
नन्न मनस्सन्ने आयतन (आलय)वागिट्टुकोंडु रमादेवियन्ने प्रतिमेयागिट्टुकोंडु आनंदवन्नु कोडुववनाद्दरिंद "आनंद"नेंब रहस्यनामवन्नु होत्तिरुव नन्न बिंबमूर्तिगे नमोनमः
इदे रीतियल्लि एल्ला इंद्रियगळल्लू चिंतिसबेकु

॥श्रीकृष्णार्पणमस्तु॥

----

१०. तत्वकार्य प्रकरण

नन्न शरीरदोळगिरुव अव्यक्त तत्वदोळगिरुव सत्व रजस्सु तमो गुणगळिगे नियामकराद विश्व तैजस प्राज्ञरिगे नमोनमः

अल्लि सत्व गुणदिंदागुव कार्यगळाद शम (देवरल्लॆ बुद्दि इडुवुदु), दम(इंद्रिय निग्रह),तितीक्षा(सहन शक्ति),तपस्सु, सत्य, दया, नेनपु, संतृप्ति, त्याग, एच्चर, श्रद्धे, नाचिके, क्षमागुण, धैर्य, स्तोत्र माडुवुदु, ज्ञान बरुवुदु,सुख, भगवंतन बग्गे एच्चर इवुगळल्लि आया हेसरिनिंद निंतिरुव हे! बिंबमूर्तिये, ई गुणगळ रूपदल्लिरुव निन्न रूपगळन्नु प्रकट माडुवुदर मूलक, प्रतिबिंबनाद नन्नोळगे ई एल्लागुणगळन्नु दयविट्टु प्रकटगोळिसु, ज्ञानवन्नु कोडुव अथावा हुट्टिसुव स्वच्छत्व, सुखकोडुव शांतत्व एंब सत्वगुणद स्वाभाविक गुणगळल्लिरुव भगवद्रूपगळिगे, नन्न पंचेंद्रियगळिंद पदार्थगळ हागू व्यक्तिगळ ज्ञानवन्नु हुट्टिसि अदर मूलक नन्नन्नु बंधन माडुव अनिरुद्ध रूपगळिगे नमोनमः नन्नन्नु बंधनदिंद बिडुगडेमाडु.

२. रजोगुणदल्लि निंतु अदर कार्यगळाद काम, इंद्रियनिग्रह, बलवाद सेळेत, अहंकार, आशीर्वाद मडुवुदु,भेददृष्टि, अल्पवद दुःख, कार्यगळल्लि उत्साह, यशस्सु, प्रीति, दब्बाळिके, शक्तिवंतवागिरुवुदु, पूर्णबलदिंद इरुवुदु, चांचल्य, संपत्तु, स्वप्न इवुगळल्लि आया हेसरु इट्टुकोंड भगवंतन प्रद्युम्न रूपगळिगे नमोनमः

रजोगुणद लक्षणवाद, अंटिनल्लि, क्रियाशक्तियल्लि, आया हेसरु इट्टुकोंडु ऐदु कर्मेंद्रियगळ मूलक बयकेगळन्नु हुट्टिसि, तक्कंथाकर्मगळन्नु माडिसि नन्नन्नु बंधन माडुव प्रद्युम्नात्मक बिंबमूर्तिगे नमोनमः..

३. तमोगुणदल्लि निंत अदर कार्यगळाद क्रोध, लोभ, सुळ्ळु, हिंसे, कपटतन, अहंकार, असहनते,जगळ,शोक,मोह(तप्पु एंदु तिळिदिद्दरु बिडलारद परिस्थिति) विषाद,आर्ति(तुंबा ओद्दाट) निद्दे, केलसमाडलिक्के मनस्सु बारदिरुवुदु,सोमारितन, सुषुप्ति मोदलाद कार्यगळल्लि आया हेसरिनिंद ताने निंतु अज्ञान, मिथ्याज्ञान हुट्टिसि प्रधानवागि मरवु, सोमारितनवन्नु,निद्रेयन्नू कोट्टु अदर मूलक नन्नन्नु कट्टि हाकुव संकर्षण रूपियाद बिंबमूर्तिगे नमोनमः

नन्नल्लि नडेयुव मूरुगुणद मिश्रित कार्यगळाद धर्मार्थगळल्लि निष्टे, श्रद्दे, स्वधर्माचरणे मोदलाद कार्यगळल्लि निंतिरुव अनिरुद्ध,
प्रद्युम्न,संकर्षणरूपियाद बिंबनिगे नमोनमः

सत्वगुणद सूक्ष्मभागदल्लि निंत देवर ज्ञान भक्त्यादिगळन्नु कोडुव विश्वमूर्तिगे नमोनमः

सत्वगुणद स्थूलभागदल्लिद्दु जगत्तिन बग्गे सरियाद तिळुवळिकेकोट्टु तद्वार बंधकनू, मोचकनू आद विश्वमूर्तिगे नमोनमः

नंतर रजोगुणद सूक्ष्मभागदल्लिद्दु भगवत्पूजात्मक कर्मगळन्नु माडिसुव तैजसमूर्तिगे नमोनमः

रजोगुणद स्थूलभागदल्लिद्दु लौकीकवाद सकल कर्मगळन्नु मडिसुव तैजस मूर्तिगे नमोनमः

तमोगुणद सूक्ष्मभागदल्लिद्दु अज्ञान, मिथ्याज्ञान(देवरबग्गे) कोडुव प्राज्ञमूर्तिगे नमोनमः
तमोगुणद स्थूलभागदल्लिद्दु ई जगत्तिन बग्गे अज्ञान मिथ्याज्ञान कोडुव प्राज्ञमूर्तिगे नमोनमः.
हे बिंबमूर्तिये! नन्न कर्मानुसार नीनु इच्छेकोट्ट ननगे यावु यावुदन्नु कोडुत्तियो आया अवस्थेगळल्लि एल्लानिन्न रूपगळ नेनपुकोडु. निन्न अधीनवागि देव दैत्यर मूलक पुण्यपाप कर्मगळन्नु माडुत्ता सदा निन्न वशवागिद्देनेंब भावनेयन्नु ननगे सदा कोडु.
महत्तत्वदल्लिद्दुकोंडु, सत्वांशगळु जास्ति इरुवुदरिंद, ज्ञान प्रधानवाद चित्तदल्लि ताने नेलेसिद्दु स्वच्छत्व, विकरविल्लदिरुविके, प्रशांतवागिरुवुदु मोदलाद गुणगळिंद, तन्न स्थिरवाद नेनपन्नु कोडुव वासुदेव मूर्तिगे नमोनमः
रजो अंशगळु हेच्छागिरुवुदरिंद क्रिया प्रधानवाद वैकरिक, तैजस, तामस बेधदिंद मूरु रीतियल्लि अहंकार तत्वदल्लि निंतु अहंकार ममकारगळन्नु उत्पादने माडुत्ता नन्नन्नु कट्टिहाकुव संकर्षणमूर्तिगे नमोनमः, ई बंधनदिंद बिडुगडे माडु.
बुद्दितत्वदल्लिद्दुकोंडु निश्चयज्ञानवन्नु कोडतक्कंथ प्रद्युम्नरूपगळिगे नमोनमः
पंचज्ञानेंद्रियगळिगे प्रेरकराद नियामकराद देवतेगळिगे नियामकळागि निंतिरुव उमादेवि अंतर्गत संकर्षणमूर्तिगे नमोनमः
पंचकर्मेंद्रियगळ प्रेरकराद आया नियामकराद अहंकारिक प्राणदेवरल्लि निंतिरुव संकर्षणमूर्तिगे नमोनमः
ऐदु ज्ञानेंद्रियगळिंद, ऐदु कर्मेंद्रियगळिंद आगुव सकल कर्मगळल्लि सदा भगवंतन नेनपु, आया देवतेगळंतर्गत भगवंत, ननगे दयपालिसलि. नन्न

शरीरदोळगिरुव ऐदु भूतगळल्लि ऐदु तन्मात्रगळल्लि निंतिद्दु, आया गुणगळन्नु प्रकटमाडुत्ता अदर मूलक संसारद बंधन माडुव भगवद्रूपक्के नमोनमः
॥श्रीकृष्णार्पणमस्तु॥

----

११. रथादि प्रकरण

ई देहवन्नु अष्टे अल्लदे ब्रह्मांडदोळगिरुव सकल सच्चेतनर देहगळन्नु रथवेंदु चिंतिसि आया जीवराशिगळ तिरुगाटवेल्ल भगवंतनिगे रथोत्सववेंदु अर्पिसबेकु, हागेये ब्रह्मादि सकल सच्चेतनर शरीरवु, नन्न देहवू देवरिगे वीणेयेंदु, नुडियुव सकल शब्दगळु देवेरिगे गानवेंदु अर्पिसबेकु.
॥ श्री कृष्णार्पणमस्तु ॥

----

१२. जागृत् प्रकरण

एच्चर कालदल्लि भगवंथ नम्मल्लि इच्छे हुट्टिसि, आ इच्छेगे तक्कंते एल्ला पधार्थगळन्नु नम्मिंदले माडिसि नमगे तोरुत्ताने. हागेये ध्यान माडुवागलू, हगलुगनसिनल्लियू नमगे इच्छे हुट्टिसि नम्म प्रयत्नदल्लि तन्न प्रयत्नविट्टु प्रयत्न माडिसि अनेक जन्मांतर संस्कारगळन्ने उपादानवन्नागि इट्टुकोंडु एल्ला पधार्थगळन्नु सृष्ठिसि नम्मन्नु संतोष पडिसुत्ताने. एच्चर कालदल्लि,

हगलुगनसिनल्लि दॆवरु दॆवतॆगळु प्रकटमाडिद अनंतरूपगळन्नु दॆवतॆगळंतर्यामि दॆवरिगॆ समर्पिसुवुदॆ जागृत् प्रकरणद तात्पर्य.
॥ श्रि कृष्णार्पणमस्तु ॥

स्वप्न प्रकरण
विश्वनामक भगवंतनु कंठदल्लि तैजसनिंद कूडि तॊरुव व्यापरवॆ स्वप्न. संस्कारगळन्नु उपयॊगिसि दॆवरु सृष्टिमाडिद पदार्थगळन्नु, अल्लि दॆवरु माडिसिद व्यापरगळन्नु, अल्लि प्रकटवाद भगवद्रूपगळन्नु एद्दमॆलॆ दॆवरिगॆ अर्पिसिदरॆ अदु दॊड्ड यज्ञ.
॥ श्री कृष्णार्पणमस्तु ॥

सुषुप्ति प्रकरण
तैजसनिंद कूडिद विश्वनामक प्राज्ञनन्नु कूडि जीवनन्नु आलिंगिसिकॊंडु कॊट्ट सुखवन्नु , अल्लि प्रकटवाद भगवद्रूपगळन्नु एद्द मॆलॆ भगवंतनिगॆ अर्पिसुवुदॆ दॊड्ड यज्ञ.
॥ श्री कृष्णार्पणमस्तु ॥

----

१५. गमनागमन प्रकरण

भवंत जीवनन्नु अवन कर्मानुसार जीविसुवंते माडि, मरणकालदल्लि सूचनेगळन्नु कोट्टु (सज्जीवरुगळिगे), कोनेय कालदल्लि लयचिंतने माडिसि प्राणॊत्क्रमणद मूलक स्वर्गादिलोकक्के करॆदुकॊंडु हॊगि अवन पुण्यक्कनुगुणवागि वास माडिसुत्ताने. अनंतरदल्लि पुण्य मुगिदमेले स्वर्ग, मॆघ, भूमि, तंदे, तायि एंब ऐदु अग्निगळ मूलक दॆवतेगळ द्वार जीवनन्नु हॊम माडिसि होस शरीरवन्नु दयपालिसुत्ताने. नम्मन्नु स्वर्गादि लॊकक्के करॆदुकॊंडु हॊगुवागलू, अनंतरदल्लि नूतन शरीर कोडलिक्के ऐदु अग्निगळ मूलक करॆदुकॊंडु बंदागलू दॆवरु प्रकटमाडिद अनंत रूपगळन्नु दॆवरिगे यज्ञत्वेन अर्पिसुवुदॆ महापूजे एनिसिकोळ्ळुत्तदे.

॥ श्री कृष्णार्पणमस्तु ॥

----

१६. मोक्ष प्रकरण

जीवरिगे नित्यानंदवन्नु कोडलिक्कागि भगवंतनु सज्जनर संगवन्नु तॊरुत्ताने. आ साधनेगळन्नु आचरिसिद जीव पुष्करादि दॆवतेगळ अपरॊक्षद मूलक भगवंतनवरेगू अपरॊक्ष पडेदु संचितवन्नु कळॆदुकॊंडु, आगामि कर्म अंटदे, दॆवर अनुग्रहदिंद प्रारब्ध कर्मवन्नु निश्शेषवागि अनुभविसि, कर्मक्षयवेंब मुक्तिय मोदल भाग पडेयुत्ताने.

अनंतर शरीरदिंद होरगे बंदु उत्क्रांति एंब मोक्षवन्नु अनेक लोकगळ मूलक होगुत्ता, वायुदेवर लोकवन्नु होंदि मार्गवेंब मोक्षवन्नु पडेयुत्ताने. अनंतरदल्लि ब्रह्मदेवर मूलक गरुड शेष मार्गदिंद लयहोंदिद सकल देवतेगळोडगूडि प्रळयकालदल्लि लिंगशरीर भंगवाद मेले देवर उदरदल्लॆ मलगिरुत्ताने. अनंतरदल्लि सृष्ठिकाल बंदाग लिंग शरीर भिन्नवाद सकल जीवरन्नु भगवंत वैकुंठादि लोकगळल्लिट्टु एडबिडद सुख कोट्टु मत्तू संसारक्के तिरुगिबारदंते अनुग्रहिसुत्तानेंदु जीवरिगे अत्यंत मंगळकरवागिदे ई शोडशी ग्रंथद प्रमेयवु.
॥श्रीकृष्णार्पणमस्तु॥